পাঠ 11
पाठ

উদ্যোগ

লীলা : বাম্পদেউ যে! কিবা কামত আহিছে?

মিচেচ পাণ্ডেঃ ছোৱালীজনীয়ে চুলি কাঁবি। তুমি স্পয়াত কি কৰি আছা?

লীলা : বাম্পদেউ, এম্পখন বিউটি পার্লাৰ ময়ে খুলিছোঁ। বয়-বস্তুৰ দাম দিনক দিনে বাঢ়ি গৈ আছে। ল'ৰা-ছোৱালী লাহে লাহে ডাঙৰ হৈছে। ঘৰৰ খৰছো বাঢ়ি আহিছে। এজনৰ উপার্জনেৰে আৰু ঘৰ নচলে।

মিচেচ পাণ্ডেঃ ভালেম্প কৰিছা। কাম কৰি খোৱাত লাজ নাম্প। শ্রমৰ মর্য্যদা সদায় আছে। আমিও এখন গহনাৰ দোকান খুলিব খুজিছোঁ। স্পমান দিনে চকু মুদি আছিলোঁ। এতিয়া মেল খাম্পছে।

লীলা : কৰক, কৰক, আমি প্রেৰণা

उद्योग

लीला : दीदी, क्या किसी काम से आई हैं?

श्रीमती पांडे : लड़की के बाल कटवना है। तुम यहाँ क्या कर रही हो?

लीला : दीदी, यह ब्यूटी पार्लर मैंने ही खोला है। चीज़ों के दाम दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं। बच्चे बड़े हो गए हैं। घर का खर्च भी बढ़ गया है। एक ही आदमी की कमाई से अब घर नहीं चल सकता।

श्रीमती पांडे : अच्छा ही किया है। काम करके खाने में (कोई) लज्जा नहीं होनी चाहिए। श्रम का सम्मान सदैव होता है। मैं भी एक गहनों की दुकान खोलना चाह रही हूँ। इतने दिनों तक हमारी आँखें बंद थीं। अब खुल गई हैं।

लीला : कीजिए, कीजिए। हमें भी प्रेरणा मिलेगी।

পাম।

মিচেচ পাণ্ডেঃ এৰা, জীৱন দুৰ্বিসহ হৈ আহিছে। গাখীৰ দহ েকাত লৈ আছিলোঁ। হঠাৎ চৌধ্য েকা হ'ল। ৰহৰ দাম্পল চৌৰিশ েকাত লৈ আছিলোঁ। এতিয়া বত্রিছ েকা হ'ল। ঘৰ ভাৰা ডেৰহেজাৰ দি আছিলোঁ। এম্প মাহৰ পৰা আঢ়ৈ হেজাৰ কৰিলে।

লীলা : আপোনালোকে বোধ হয় স্পয়াত ঘৰ সজাম্প আছে?

মিচেচ পাণ্ডেঃ এৰা, কিন্তু কাম বহুত বাকী। অহা মাহত নিজৰ ঘৰলৈ যাম। বাকী কাম হৈ থাকিব।

লীলা : ঘৰ লোৱালৈ আমাকো মাতিব আকৌ।

মিচেচ পাণ্ডেঃ নিশ্চয় মাতিম। তোমালোক আহিবা কিন্তু। ... বাৰু এতিয়া পম্পচাখিনি লোৱা। যাওঁ দেম্প।

লীলা : ভাল বাৰু। বাম্পদেউ, আপোনাৰে দোকান। আহি থাকিব কিন্তু।

श्रीमती पांडे : अरे जीना मुश्किल हो गया है। दूध दस रुपये में लेती थी, अब चौदह रुपये हो गया है। अरहर दाल चौबीस रुपये में लेती थी। अब बत्तीस रुपये है। घर का भाड़ा डेढ़ हज़ार दे रही थी। इस माह से अढ़ाई हज़ार कर दिया है।

लीला : लगता है आपने अपना घर बना रहे हैं।

श्रीमती पांडे : हाँ, किन्तु काम काफी बाकी है। अगले महीने अपने घर में चले जाएँगे। बाकी काम होता रहेगा।

लीला : गृह प्रवेश के समय हमें भी ज़रुर बुलाना।

श्रीमती पांडे : जरुर बुलाऊँगी। तुम भी जरुर आना। ... ये लो, पैसे ले लो। अब मैं चलती हूँ।

लीला : जी ठीक है। किन्तु दीदी दुकान आपकी ही है। आते रहिएगा।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
चुलि	बाल
दिनकदिने	दिन-ब-दिन
बाढ़ि	बढ़ रहा है
दाम	दाम
खৰच	खर्च
उपार्जन	कमाई
लाज	लाज
श्रम	श्रम
मर्य्यादा	सम्मान
चकु मुदि	आँखें बंद करके
मेल खाम्पछे	खुल गया
प्रेৰणा	प्रेरणा
दुर्विसह	बहुत भारी
गाखीৰ	दूध
ॅका	रुपया
हठाৎ	अचानक
ৰहৰ दाम्पल	अरहर की दाल
चौविश	चौबीस
बत्रिछ	बत्तीस
घৰ भाৰा	घर का किराया
डेৰ हेजाৰ	डेढ़ हज़ार
आढ़ै हेजाৰ	अढ़ाई हज़ार
	लगता है

বোধহয়	বনা রহে হৈং
সজাম্প আছে	হাঁ
এৰা	বাকী
বাকী	গৃহপ্রবেশ
ঘৰলোৱা	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) তুমি স্পয়াত কি কৰিছা?

→ তুমি স্পয়াত কি কৰি আছা?

1. বস্তুৰ দাম খুব বাঢ়িছে।
2. চকু মেল খাম্পছে।
3. মম্প বস্তুটো কিনিছোঁ।
4. আপুনি বহুত কথা কৈছে।
5. তম্প কি পঢ়িছ?

(খ) মম্প ভাত খাম্পছিলোঁ।

→ মম্প ভাত খাম্প আছিলোঁ।

1. তুমি কি কৰিছিলা?
2. আপুনি কলৈ গৈছিল?
3. তম্প কি লিখিছিলি?
4. সি দুৱাৰখন খুলিছিল।
5. আমি গাখীৰ ছ'কাত লৈছিলোঁ।

(গ) মম্প কাম্পলৈ স্পমান সময়ত তেজপু�ৰলৈ যাম।

→ মম্প কাম্পলৈ স্পমান সময়ত তেজপুৰলৈ গৈ থাকিম।

1. মম্প কামটো লাহে লাহে কৰিম।

2. তুমি চুলি পিছত কাঁবিা।
3. বাকী কাম নিজে নিজে হব।
4. আপুনি মোক পম্পছাখিনি মাহে মাহে দিব।
5. তম্প মাজে সময়ে চিঠি দিবি।

II. कोष्ठक में दो शब्द दिए गए हैं। उनमें से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. এজনৰ ---------------------------- ঘৰ নচলে। (উপাৰ্জনেৰে, উপাৰ্জনত)
2. আমি এখন দোকান --------------------- খুজিছোঁ। (খুলিব, খুলিবলৈ)
3. মোৰ ---------------------- চুলি কাঁবি। (ছোৱালীজনীয়ে, ছোৱালীজনী)
4. আমাৰ ---------------- আহিবা। (ঘৰ লোৱাত, ঘৰ লোৱালৈ)
5. অহা মাহত নিজৰ ---------------------- যাম। (ঘৰলৈ, ঘৰত)

III. प्रत्येक स्तम्भ से एक एक शब्द चुनकर सही जोड़ी बनाइए।

ল’ৰা	কাজ
ৈকা	চিতা
কাম	ছোৱালী
চোৱা	বস্তু
বয়	পম্পচা

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. মিচেচ পাঙেম্প লীলাক ক’ত লগ পাম্পছিল?

2. লীলা তাঁলৈ কিয় আহিছিল?

3. মিচেচ পাণ্ডেহঁতে কিহৰ দোকান খুলিব খুজিছে?

4. আগতে গাখীৰৰ দাম কিমান আছিল?

5. মিচেচ পাণ্ডে কেতিয়া নিজৰ ঘৰলৈ যাব?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

দাম আছে বাঢ়ি গৈ দিনকদিনে বয়-বস্তুৰ

বয়-বস্তুৰ দাম দিনকদিনে বাঢ়ি গৈ আছে।

1. দোকান গহণাৰ খুজিছোঁ আমি এখন খুলিব
2. জোৰেৰে আছিল প্রথমতে নাও বাম্প নাৱৰীয়াটোৱে
3. আছিলোঁ চাম্প তেতিয়া পাহাৰৰ মম্প ফালে
4. নাৱেৰে এদিন দেউতাৰ লগত উমানন্দলৈ গৈ আছিলোঁ।

पढ़िए और समझिए।

আম্পতাৰ কথা

চোতালৰ পৰা নাতিয়েকে আম্পতাকক মাতি আছিল। আম্পতাকে ৰান্ধনি ঘৰত ভাত ৰান্ধি আছিল। তেওঁ নাতিয়েকৰ মাত শুনা নাছিল। নাতিয়েক নিজেম্প পাকঘৰলৈ সোমাম্প গৈছিল। সি আম্পতাকক কৈছিল, 'আম্পতা, ঐা সাধু কোৱা না....।'

আম্পতাকে কৈছিল, "অলপ ৰ। মম্প ভাতখিনি নমাম্প থওঁ।" অলপ পিছত আম্পতাক ওলাম্প আহিছিল। চোতালত ঢাৰি এখনও বহি লৈছিল। নাতিয়েক কাষত বহিছিল। আম্পতাকে কৈছিল, "আজি মোৰ ল'ৰালিৰ সঁচা কথাকে ঐা কওঁ। মনোযোগাদি শুন। মম্প তেতিয়া সৰু ছোৱালী আছিলোঁ। এদিন দেউতাৰ লগত গুৱাহাঁীৰ পৰা উমানন্দলৈ নাৱেৰে গৈ আছিলোঁ।"

নাতিয়েকে সুধিছিলে, "কিয় ফেৰীৰে যোৱা নাছিলা? নাৱত যাওঁতে ভয় লগা নাছিল?" আম্পতাকে কৈ গৈছিল, 'সেম্প সময়ত ফেৰী চলাম্প নাছিল। অ শুন -- নাৱৰীয়াটোৱে প্রথমতে

নাও জোৰেৰে বাষ্প আছিল। তেতিয়া লাহে লাহে বতাহ মাৰি আছিল। পাছত জোৰেৰে বতাহ মাৰিছিল। তেতিয়া সি খৰকৈ বঠা মাৰিব খুজিছিল, কিন্তু পৰা নাছিল। অলপ আগত ঐা চাকনৈয়া আছিল। নাওখন চাকনৈয়াত পৰি ঘূৰিব ধৰিছিল। মষ্প তেতিয়া ভয়তে দেউতাৰ হাতত ধৰি আছিলোঁ। ত্নেনতে সকলোৱে চিঞৰি উঠিছিল।'

'নাৱৰীয়াটো কিন্তু বিতত হোৱা নাছিল। সি বৰ কষ্টেৰে নাওখন চাকনৈয়াৰ বাহিৰলৈ আনিছিল। আমি স্বস্তিৰ নিশ্বাস পেলাষ্পছিলোঁ। নাতিয়েকে কৈছিল, "তোমালোকে ভাল সাৰিলা। তোমালোকনো কিয় বাৰিষা নাৱেৰে গৈছিলা? খৰালি যাব লাগিছিল।"

আষ্পতাকে কৈছিল, "গ'ল কথা গুচিল। যা, এতিয়া ভাত খাগৈ।"

নয়ে শব্দ

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
চোতাল	आंगन
আষ্পতা	दादी
মাতি আছিল	बुला रहा था
ৰান্ধনি ঘৰত	रसोई घर में
ৰান্ধি	खाना पकाना
ভাত	भात
নাতি	नाति
ঢাৰি	दरी
ল'ৰালি	बचपन
সঁচা	सत्य
কাহিনী	कहानी
মনোযোগ	मनोयोग

তেতিয়া	তब
নাৱত	নাव से
গৈ আছিলোঁ	जा रही थी
ফেৰী	फेरी
নাৱৰীয়া	केवट / नाविक
বাষ্প আছিল	खे रहा था
লাহে লাহে	धीरे धीरे
খৰকৈ	तेज़ी से
দুর্ঘটনা	दुर्घटना
ঘটিল	घट गई
চাকনৈয়া	भँवर
বিতত	डर के मारे अस्थिर
স্বস্তিৰ নিশ্বাস	जान बच जाने का आनंद
বাৰিষা	वर्षाकाल
খৰালি	सूखा

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. নাতিয়েকে আষ্পতাকক কি অনুৰোধ কৰিছিল?
2. আষ্পতাক নাৱেৰে ক'লৈ গৈছিল?
3. নাওখন ক'ত ডুবিব খুজিছিল?
4. নাৱৰীয়াটোৱে প্রথমতে বঠা কেনেকৈ মাৰিছিল?
5. আষ্পতাকে ভয়তে কি কৰিছিল?

II. विलोम शब्द बनाइए।

সঁচা

জোৰেৰে

খৰকৈ

দূৰ

কান্দে

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

হাফলং অসমৰ এখন স্বাস্থ্যকৰ ঠাম্প। গুৱাহাটীৰ পৰা ম্পয়ালৈ ৰেলেৰে যাব পাৰি। প্রায় পোন্ধৰোমান সুৰংগৰ তলেৰে ৰেল পাৰ হৈ যায়। এম্প ৰেলৰ যাত্রা বৰ আনন্দদায়ক। হাফলঙৰ ওপৰত বহুত কবিতা লিখা হৈছে। কালিলৈ তোমালোকক ম্প ঐা কবিতা শুনাম।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

एक सौदागर था। वह व्यापार करने निकला। उसने डिब्रूगड़ जाने के लिए किराये पर एक नाव ली। अचानक ब्रह्मपुत्र में बाढ़ आ गई। सौदागर तो बच गया लेकिन उसका सारा माल बह गया। वह बड़ा उदास था। एक आदमी ने कहा -- जान बची और लाखों पाए, लौटकर बुद्धू घर को आए।

V. 'मैं भी ब्यूटी पार्लर खोलूँगी' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. -জনী (-जनी) : यह स्त्रीलिंग वाचक प्रत्यय है। पुंलिंग में जहाँ '-জন' (-जन) होता है वहाँ स्त्रीलिंग में '-জনী' (-जनी) होता है।

2. अपूर्ण भूतकाल : अपूर्ण भूतकाल की क्रिया बनाने के लिए मुख्य धातु के साथ '-ম্প' (-इ) जोड़ा जाता है और इसके बाद 'আছ' (आस) धातु का साधारण भूतकाल का रूप जोड़ा जाता है। जैसे --

মম্প কৰ + -ম্প আছিলোঁ > কৰি আছিলোঁ।

তুমি ল + -ম্প আছিলা > লৈ আছিলা।

সি মুদ + -ম্প আছিল > মুদি আছিল।

3. अपूर्ण भविष्य : अपूर्ण भविष्य काल की क्रिया बनाने के लिए धातु के साथ '-ম্প' (-इ) जोड़ा जाता है और बाद में 'থাক' (थाक) धातु का साधारण भविष्य काल का रूप जोड़ा जाता है। जैसे --

কাম হ + -ম্প > হৈ থাকিব।

আপুনি আহ + -ম্প > আহি থাকিব।

মম্প খা + -ম্প > খাম্প থাকিম।

4. क्रिया वाचक विशेष्य (क्रिया वाचक संज्ञा) : धातु में '-আ' (-आ) जोड़कर क्रिया वाचक संज्ञा बनाई जाती है। आकारान्त और उकारान्त धातुके साथ यह '-ওৱা' (-ओवा) के रूप में, और इकारान्त धातु के साथ '-য়া' (-या) रूप में जोड़ा जाता है। जैसे --

যা + -আ > যোৱা

খা + -আ > খোৱা

কৰ + -আ > কৰা

5. निमित्तार्थक क्रिया (क्रियार्थ क्रिया) : असमिया में क्रियार्थ क्रिया अंग्रेज़ी जैसी दो प्रकार की होती है। पहला प्रकार होता है साधारण निमित्तार्थक। दूसरे में केवल धातु में '-ম্পৱ' (-इब) लगाया जाता है और बाद में सहायक धातु का उचित काल और पुरुष का रूप प्रयोग में आता है। जैसे --

মম্প + খোল + -ম্পৱ > খুলিব খুজিছোঁ।

তেওঁ + পঢ় + -ম্পৱ > পঢ়িব খুজিছে।

তুমি + যা + -ব > যাব পাৰিবা।

7. বাক্যৰ আহিঁৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में अपूर्ण भूतकाल की क्रिया और सामान्य कालकी क्रिया वाले वाक्योंका प्रयोग किया गया है।